282001

संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (मुख्य)

हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र : II

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 200

निर्देश : (1) प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है तथा शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखने हैं।

(2) दाहिनी ओर किनारे पर दिये गये अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दस प्रश्नों (प्रत्येक का) के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए : 4×10=40

(क) महाकाव्य से आप क्या समझते हैं?

(ख) 'साखी' क्या है?

(ग) 'भ्रमरगीत सार' के उद्धव का परिचय दीजिए।

(घ) 'रामचरितमानस' के सभी काण्डों के नाम लिखिए।

(ङ) 'अन्धेर नगरी' नाटक का उद्देश्य बताइए।

(च) 'गोदान' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता बताइए।

(छ) 'कामायनी' की इड़ा का परिचय दीजिए।

(ज) 'राम की शक्तिपूजा' के भाषिक वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

(झ) कथाकार के रूप में 'अज्ञेय' के अवदान पर टिप्पणी लिखिए।

(ञ) 'आधे अधूरे' नाटक के नामकरण का औचित्य बताइए।

(ट) 'शेखर : एक जीवनी' के संवादों की चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ठ) 'फैण्टसी' से आप क्या समझते हैं?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं आठ पर, प्रत्येक 150 शब्दों की, टिप्पणियाँ लिखिए : 5×8=40

(क) सधुक्कड़ी भाषा

(ख) सबद

(ग) 'भ्रमरगीत' का अर्थ

(घ) 'अयोध्याकाण्ड' में देवताओं की भूमिका

(ङ) 'अन्धेर नगरी' के पात्र

(च) श्रद्धा का सौन्दर्य

(छ) 'गोदान' की मीनाक्षी

(ज) 'सरोज स्मृति' की सरोज

(झ) मनोविश्लेषणात्मक उपन्यास

(ञ) 'अन्धेरे में' कविता का शीर्षक

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8×5=40

(क) 'रहस्यवादी कवियों में कबीर का स्थान सबसे ऊँचा है। इस कथन पर अपनी टिप्पणी कीजिए।

(ख) भ्रमरगीत काव्य-परम्परा में सूरदास के योगदान को रेखांकित कीजिए।

(ग) 'अयोध्याकाण्ड' का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

(घ) 'गोदान' के गोबर पर टिप्पणी कीजिए।

(ङ) 'शेखर : एक जीवनी' की शिल्प-प्रविधि के वैशिष्ट्य को उजागर कीजिए।

(च) 'अन्धेरे में' कविता के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(छ) 'आधे-अधूरे' में अस्तित्ववादी दर्शन को रेखांकित कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) कबीर की कविताओं के आधार पर उनके समाज-बोध को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सब बिधि अगम बिचारहि तातै सूर सगुन लीला पद गावै' के आलोक में सूरदास के भक्ति-दर्शन की विवेचना कीजिए।

(ग) 'अन्धेर नगरी' में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

(घ) स्पष्ट कीजिए कि 'राम की शक्तिपूजा' में राम के साथ-साथ निराला का आत्म-संघर्ष भी मुखरित हुआ है।

(ङ) सिद्ध कीजिए कि 'शेखर : एक जीवनी' 'अज्ञेय' की हिन्दी उपन्यास-साहित्य को एक अप्रतिम देन है।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) ''सूर का भ्रमरगीत प्रसंग 'श्रीमद्भागवत' से प्रेरित होते हुए भी मौलिक है।'' इस कथन के सम्बन्ध में अपना मत प्रकट कीजिए।

(ख) 'भयो न भुवन भरत सम भाई' के आलोक में 'अयोध्याकाण्ड' के भरत की चारित्रिक उज्ज्वलता को उद्घाटित कीजिए।

(ग) 'अन्धेर नगरी' नाटक के आधार पर भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के समसामयिक बोध पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'गोदान' उपन्यास के आधार पर प्रेमचन्द की दलित-दृष्टि पर विचार कीजिए।

(ङ) 'कामायनी' के 'लज्जा' सर्ग का प्रतिपाद्य लिखिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 20×2=40

(क) ''अयोध्याकाण्ड' में तुलसीदास ने भारतीय पारिवारिक-सामाजिक आदर्शों को मानो मूर्त कर दिया है।'' इस कथन के सम्बन्ध में अपना मत प्रकट कीजिए।

(ख) '''गोदान' भारतीय किसान-जीवन की महागाथा है।'' इस कथन का औचित्य प्रमाणित कीजिए।

(ग) क्या 'कामायनी' को आधुनिक हिन्दी कविता का सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य माना जा सकता है? इस सम्बन्ध में अपना मत स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 20×2=40

(क) सूर के शृंगार-वर्णन पर एक सुविस्तृत लेख लिखिए।

(ख) 'राम की शक्तिपूजा' में निराला द्वारा की गयी नवीन उद्भावनाओं पर प्रकाश डालते हुए उसके युग-बोध को स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'आधे अधूरे' के आधार पर मोहन राकेश की नाट्य-कला की विशेषताएँ बताइए।

8. 'अगुनहि सगुनहि नहि कछु भेदा' के सन्दर्भ में कबीर और तुलसी के राम में अन्तर स्पष्ट कीजिए तथा राम-काव्य परम्परा को दोनों कवियों के अवदान पर विचार कीजिए। 20+20=40

9. '''गोदान' का प्रत्येक स्त्री-पात्र अपने में विशिष्ट है।'' इस कथन के आलोक में धनिया, झुनिया, मालती, नोहरी तथा गोविन्दी के चरित्रों का मूल्यांकन कीजिए। 8+8+8+8+8=40

10. 'रामचरितमानस' के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक तथा साहित्यिक परिप्रेक्ष्य पर विस्तार से विचार कीजिए। 10+10+10+10=40

———